1000 से ज्यादा लोगों की जान इटली में जा चुकी है कोरोना वायरस के कारण। इस वायरस से सबसे ज्यादा मौतें चीन के बाद इटली में हुई हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 14 मार्च 2020

हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड व बिहार में 31 तक सभी शिक्षण संस्थान बंद

एहतियात ▶ बिहार में रोटेशन के आधार पर कार्यालय बुलाए जाएंगे सरकारी कर्मचारी

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सभी एंट्री गेट पर होगी स्क्रीनिंग

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना वायरस से बचाव के लिए कई राज्यों ने पहले ही शिक्षण संस्थान बंद कर दिए हैं। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में भी इस बाबत आदेश पास हो गया। उप्र में 22 मार्च तक शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे तो हरियाणा में 31 मार्च तक। बिहार में भी सभी सरकारी, निजी स्कूल तथा कॉलेज व कोचिंग संस्थानों को 31 मार्च तक बंद कर दिया गया है। पंजाब में भी सरकारी स्कूलों को 31 तक बंद करने के आदेश राज्य सरकार ने दिया है। उत्तराखंड में भी 31 तक सभी निजी और सरकारी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। मध्य प्रदेश में भी एतिहातन स्कूल और कॉलेज 31 तक बंद हैं। सिनेमाघर भी 31 तक बंद रहेंगे।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सभी एंट्री गेट पर आने वालों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए जल्द ही स्क्रीनिंग मशीन सभी गेट पर लगाई जाएगी। बिहार में सरकारी दफ्तरों में रोटेशन के आधार पर कर्मियों को बुलाया जाएगा। अगर दस कर्मी किसी दिन आते हैं तो उन्हें अगले दिन नहीं बुलाया जाएगा। सरकारी दफ्तरों में कंजेशन (भीड़) न हो इसका ध्यान रखा जाएगा। राजस्थान में कोरोना वायरस को सरकार ने महामारी घोषित कर दिया है। स्कूल और कॉलेज भी बंद किए जाने का फैसला जल्द लिया जा सकता है। झारखंड में भी विपक्ष सरकार पर सभी शिक्षण संस्थान बंद करने का दबाव बना रहा है। इस बाबत जल्द निर्णय लिया जा सकता है।

श्रीनगर में शुक्रवार को जुमे की नमाज से पहले जामिया मस्जिद के आसपास नगर निगम कर्मियों ने दवा का छिड़काव किया। जागरण

उत्तर प्रदेश
- जिन शिक्षण संस्थानों में परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, वहां यथावत चलेंगी
- सामूहिक कार्यक्रमों पर रोक, सरकार भी नहीं मनाएगी तीन साल पूरा होने का जश्न
- आगरा में दो महीने में ताज के 2.2 लाख पर्यटकों में कमी आई है।

दिल्ली
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सभी कक्षाएं, व्याख्यान, प्रेजेंटेशन व परीक्षाएं 31 मार्च तक रद।
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 31 तक सभी कक्षाएं बंद।

हरियाणा
- राजनीतिक रैलियों पर प्रतिबंध।
- धार्मिक समागम और खेल आयोजनों पर भी लगाई गई रोक
- हर तीन दिन में समीक्षा करेंगे गृह व स्वास्थ्य मंत्री विज
- आइआइएम रोहतक का दीक्षांत समारोह स्थगित।
- फतेहाबाद जिले के सभी डाक्टरों की छुट्टी रद।

पंजाब
- पटियाला में विदेश से आए दो लोगों को गांव छोड़ने का फरमान।
- लुधियाना में आयात व निर्यात बाधित। चीन से आयात लगभग बंद।
- यूरोप व एशिया के देशों में ऑर्डरों की डिलीवरी रोकी।
- चीन, अमेरिका, थाईलैंड जैसे देशों से आने वाले फलों का आयात भी बंद।

जम्मू
- कोरोना वायरस से निपटने में कोताही बरतने पर नोडल अधिकारी समेत दो डॉक्टर निलंबित।
- जम्मू में सभी शापिंग मॉल, स्वीमिंग पूल, जिम और क्लबों को बंद करने के निर्देश।
- सार्वजनिक गाड़ियों के इस्तेमाल कम करने को कहा गया।

बिहार
- सूबे के सभी सिनेमा हॉल, पार्क, चिड़ियाघर व संग्रहालय 31 मार्च तक बंद रहेंगे।
- 22 मार्च तक होने वाले बिहार दिवस के तीन दिवसीय आयोजन भी रद।
- राजद का 14 मार्च से राजगीर में होने वाला प्रशिक्षण शिविर स्थगित।

बंगाल
- अप्रैल तक नहीं होगा कोई खेल आयोजन।
- रविवार को ईस्टबंगाल-मोहनबगान में होने वाला डर्बी मैच भी स्थगित।

ओडिशा
- 31 मार्च तक शिक्षा संस्थान, सिनेमा हॉल, स्वीमिंग पूल सब बंद
- कोरोना से निपटने को 200 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज मंजूर

छत्तीसगढ़
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़, राजनांदगांव में विदेशी छात्रों पर रोक।

हिमाचल
- अगले आदेश तक मेलों व खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर रोक।
- कोई भी सरकारी अधिकारी अगले आदेश तक विदेश दौरे पर नहीं जाएगा।
- धार्मिक आयोजनों में जनसाधारण को एकत्र न होने के दिशानिर्देश। लोगों को धार्मिक यात्राएं स्थगित करने के लिए कहा गया।

उत्तराखंड
- नेपाल सीमा से सटी आठ चौकियों पर 22968 लोगों की स्क्रीनिंग
- राज्य-जिला स्तर पर रेपिड रिस्पांस टीम गठित

उप्र में इलाज से भागने पर दर्ज होगी एफआइआर

जागरण संवाददाता, लखनऊ

▶ लखनऊ में आउटब्रेक रिस्पांस टीम 24 घंटे निगरानी करेगी

कोरोना वायरस से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन एक्शन प्लान तैयार किया गया है। लखनऊ में आउटब्रेक रिस्पांस टीम बना दी गई है, जो चौबीस घंटे निगरानी करेगी। शहर के प्रत्येक बड़े अस्पतालों में जांच की सुविधा होगी। यह भी तय किया गया है कि संक्रमित व्यक्ति अगर इलाज से भागेगा या फिर जो इलाज में बाधा डालेगा, उसके खिलाफ एफआइआर होगी। प्राइवेट अस्पतालों में भी इलाज और जांच की व्यवस्था होगी। लखनऊ में मरीज के सामने आने के बाद से ही प्रशासन कोरोना से बचाव को लेकर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने मुख्य विकास अधिकारी मनीष बंसल और तमाम अधिकारियों के साथ बैठक की। लगातार बढ़ रहे संदिग्ध मरीजों की संख्या को देखते हुए डीएम ने निर्देश दिए हैं कि लखनऊ के समस्त अस्पतालों व सीएचसी और पीएचसी में थर्मल स्कैनर व इंफ्रारेड थरमोमीटर की तत्काल व्यवस्था कराई जाएगी।

चीन, इटली, ईरान, साउथ कोरिया, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी से यात्रा कर गाजियाबाद जिले में लौटने वाले लोग अब सीधे अपने घर नहीं जा सकेंगे। इन लोगों को 14 दिन तक कवारंटाइन एरिया वार्ड में रखा जाएगा। इस वार्ड की स्थापना ईएसआइ साहिबाबाद में की जा रही है। मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डॉ. अशोक तालियान ने बताया कि इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से गाइडलाइन मिली है। उसके अनुपालन में तत्काल प्रभाव से यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। कोरोना को फैलने से रोकने को यह कदम उठाया गया है। उपरोक्त देशों से आने वाले लोगों पर ही यह सख्ती लागू होगी।

बैठक के अहम फैसले
- रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन। इसमें प्रशासन, पुलिस, नगर निगम व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अफसर। मुख्य विकास अधिकारी नोडल अफसर। टीमें स्वयं जाकर लोगों की जांच करेंगी
- वायरस से प्रभावित सात देशों (चीन, इटली, ईरान, साउथ कोरिया, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी) से आने वाले शत प्रतिशत भारतीय व विदेशी नागरिकों, जिन्होंने विगत 12 फरवरी से इन देशों की यात्रा की है या वहां होते हुए आए है उनको मॉनीटर व ट्रैक करने की व्यवस्था है
- चिकित्सालयों में ओपीडी में लाइन नहीं लगेगी। डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से मेडिकल स्टाफ मरीजों को बुलाएगा
- शॉपिंग मॉल, व्यापारिक व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पर्सनल हाईजीन के लिए सैनिटाइजर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

ईरान में फंसे 44 भारतीय वापस लाए गए

नई दिल्ली, एजेंसियां : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया है कि 44 भारतीय श्रद्धालुओं का दूसरा बैच शुक्रवार की दोपहर भारत वापस लाया गया है। कोरोना संकट से जूझ रहे ईरान से इनको एक ईरानी विमान से मुंबई एयरपोर्ट लाया गया। उसके बाद इन सभी लोगों को मुंबई के घाटकोपर स्थित नौसेना के एक ठिकाने पर चिकित्सकीय निगरानी के लिए रखा गया है। इससे पहले, इन लोगों को राजस्थान के जैसलमेर जिले में सेना के एक ठिकाने पर अलग-थलग रखने की तैयारी थी।

विदेश मंत्री ने ट्वीट करके बताया कि 44 भारतीय श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था शुक्रवार को ईरान से यहां आ गया है। औरों को भी वापस लाने का हमारा अभियान जारी है। ईरान में भारत की चिकित्सा टीम ने अच्छा काम किया है। हम ईरानी प्रशासन के सहयोग और उनकी एयरलाइंस के आभारी हैं। उन्होंने बताया कि ईरानी एयरलाइंस के विशेष विमान आइआर810 से तेहरान से भारतीयों को लेकर आया विमान यहां शुक्रवार को दोपहर 12.07 बजे पहुंचा। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की स्क्रीनिंग एपीएचओ ने आइसोलेशन बे में की। इन लोगों को घाटकोपर के नौसैनिक अड्डे पर अलग-अलग अकेले रखा जाएगा। जयशंकर ने विगत गुरुवार को कहा था कि छह हजार से अधिक भारतीय ईरान के विभिन्न प्रांतों में अभी भी फंसे हुए हैं। ईरान से 58 भारतीयों का पहला जत्था इसी मंगलवार को वापस लाया गया था।

भारतीय वैज्ञानिकों को प्रयोगशाला बनाने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईरान में फंसे भारतीयों में कोरोना वायरस की जांच के लिए गए भारतीय वैज्ञानिकों को वहां के अधिकारी अस्थायी प्रयोगशाला बनाने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। लगभग 1,200 भारतीयों की लार का नमूना भारत लाया गया है, ताकि उनमें कोरोना के संक्रमण की जांच की जा सके। भारत के चार वैज्ञानिक कोरोना के संक्रमण की जांच के लिए इस समय तेहरान में हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वहां के अधिकारी भारतीय वैज्ञानिकों को अस्थायी प्रयोगशाला बनाने की इजाजत नहीं दे रहे। उनका कहना है कि वे सुरक्षा देने में सक्षम नहीं हैं। भारतीय वैज्ञानिक अब भी तेहरान में रुके हुए हैं और भारतीयों की लार का नमूना जुटाने में लगे हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों को स्वदेश लाना चाहती है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ईरान में फंसे भारतीयों की जांच के लिए वहीं पर अस्थायी प्रयोगशाला बनाना चाहती है, ताकि वहां से लाने से पहले यह पता चल सके कि कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित तो नहीं है। जो लोग ईरान में फंसे हुए हैं, उनमें ज्यादातर छात्र और तीर्थयात्री हैं। इसके अलावा एक हजार मछुआरे भी वहां फंसे हुए हैं। भारतीय वायु सेना के विमान से 58 लोगों के पहले जत्थे को भारत लाया गया था।

जम्मू में मिला एक और मरीज

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू में कोरोना का एक और मामला सामने आया है। सरवाल क्षेत्र के बुजुर्ग व्यक्ति में वायरस की पुष्टि हुई है। यह व्यक्ति पीड़ित महिला के संपर्क में आया था। वहीं, जम्मू जिले में प्रशासन ने शॉपिंग मॉल, स्वीमिंग पूल, जिम व क्लब बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अभी तक जम्मू-कश्मीर में विदेशों से लौटने वाले व उनके संपर्क में रहे 1754 संदिग्ध लोगों को निगरानी में रखा है। इनमें 159 लोगों को जरूरी 28 दिन तक अलग से रखने का समय पूरा हो गया है। 1485 लोगों को घरों में अलग से व 18 लोगों को अस्पतालों में रखा है। 85 संदिग्धों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं। इनमें दो में कोरोना की पुष्टि हुई है। छह के सैंपलों की रिपोर्ट आना शेष है। जिन दो मरीजों में कोरोना की पुष्टि हुई है, उनमें एक कुछ दिन पहले ही ईरान से लौटी थी। उसे जीएमसी में भर्ती करवाया था, लेकिन कुछ घंटों के बाद वह वापस घर चली गई थी।

भारतीय सेनाएं बना रहीं अलग निगरानी केंद्र

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय रक्षा बलों ने कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर देश भर में पांच हजार लोगों की देखभाल के कई अलग निगरानी केंद्र बनाए हैं। जो लोग इस वायरस से संक्रमित होने के संदिग्ध हैं, उन्हें यहां 14 दिनों तक रखा जाएगा। यह सभी लोग कोरोना प्रभावित देशों से भारत लौट रहे हैं। भारतीय थलसेना ने अब तक चार हजार लोगों के लिए केंद्र बनाए हैं। जबकि नौसेना और वायुसेना ने कुल एक हजार लोगों के लिए निगरानी केंद्र स्थापित किए हैं।

ट्रेनों में घटी यात्रियों की संख्या

जेएनएन, नई दिल्ली : कोरोना के खौफ से ट्रेन यात्रियों की संख्या कम हो रही है। पहले जहां बुकिंग काउंटर पर टिकट लेने के लिए यात्रियों को लंबी कतार लगानी पड़ रही थी, अब आसानी से टिकट मिल रहा है। संक्रमण के डर से यात्री बुकिंग काउंटर पर नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं कई अपनी यात्राएं टाल भी रहे हैं। दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में सबसे अधिक कमी आई है। शुक्रवार को भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों की संख्या बेहद कम रही। ट्रेनों में यात्री कोरोना संक्रमण की ही चर्चा में मशगूल दिखे। फिरोजपुर डीआरएम आफिस से मिले आंकड़ों के मुताबिक 3 से लेकर 12 मार्च तक ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में एकाएक गिरावट आई। इस दौरान कुल ढाई लाख के करीब मुसाफिरों की संख्या में कमी आई है। 3 मार्च के दिन आरक्षण और जनरल टिकट पर ट्रेनों में सफर करने वाले मुसाफिरों की संख्या जहां 70 हजार के लगभग थी, वहीं 12 मार्च तक कम होकर यह 58 हजार तक रह गई है।

बॉलीवुड में भी दहशत, तीन अप्रैल तक कोई फिल्म नहीं होगी रिलीज

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

दिल्ली, जम्मू, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और केरल के बाद शुक्रवार को मुंबई में भी 31 मार्च तक सिनेमाहॉल बंद करने का निर्णय लिया गया है। मुंबई में सिनेमा हॉल बंद होने का सबसे बुरा असर शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म अंग्रेजी मीडियम पर पड़ा। जबकि फिल्म सूर्यवंशी और सर की रिलीज टाल दी गई है। अब तीन अप्रैल तक कोई भी नई फिल्म रिलीज नहीं होगी।

फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया ने इंस्टाग्राम पर कहा कि मध्यरात्रि से सभी सिनेमाघर बंद हो जाएंगे। हम सही समय आने पर फिल्म अंग्रेजी मीडियम को दोबारा रिलीज करेंगे। ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन के मुताबिक एक अनुमान के अनुसार कोरोना के चलते देश की फिल्म इंडस्ट्री को लगभग 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सिनेमा के अलावा मुंबई स्थित नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) को भी 31 मार्च तक बंद रखा जाएगा। एनसीपीए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जिन्होंने शोज की टिकट खरीदी है, उन्हें पूरा रीफंड मिल जाएगा। टीवी इंडस्ट्री भी लगातार सतर्कता बरत रही है। 'द कपिल शर्मा' शो पर पूरा क्रू मास्क लगाकर काम कर रहा है। इस शो में दर्शक भी आते हैं, ऐसे में सेट पर डॉक्टर की संख्या बढ़ाई गई है। पहले दो डॉक्टर थे, अब तीन हो गए हैं। मशीन के जरिए सबकी जांच की जा रही है।

हॉलीवुड फिल्मों की रिलीज भी टली : कोरोना की वजह से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने लॉस एंजिलिस का अपना ऑफिस बंद कर दिया है। वहीं कई हॉलीवुड फिल्मों की रिलीज डेट बदल दी गई। जेम्स बांड सीरीज की फिल्म नो टाईम टू डाई कोरोना से प्रभावित होने वाली पहली फिल्म बनी। पहले यह फिल्म अप्रैल माह में रिलीज होनी थी अब नवंबर में रिलीज होगी। फास्ट एंड फ्यूरियस सीरीज की नौवीं फिल्म एफ 9 की रिलीज 22 मई से करीब 11 महीने आगे बढ़ाकर अगले साल दो अप्रैल कर दी गई है। एमिली ब्लंट अभिनीत फिल्म अ क्वाइट प्लेस की रिलीज स्थगित कर दी गई है। डिजनी स्टूडियो ने भी 27 मार्च और 3 अप्रैल को रिलीज होने जा रही अपनी दोनों फिल्में मूलन और द न्यू म्यूटेंट्स की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है। कंपनी इनकी नई रिलीज तारीख बाद में घोषणा करेगी। फिल्म ब्लैक विडो, वंडर वुमन और टॉप गन मैवरिक की रिलीज डेट भी टलने की संभावना है।

वर्ष 1986 में हड़ताल के चलते बंद हुए थे सिनेमाघर : कोरोना के चलते देशभर में सिनेमाघरों को बंद किया जा रहा है। इससे पहले वर्ष 1986 में पूरी बांबे फिल्म इंडस्ट्री ने हड़ताल कर दी थी। तब भी सिनेमाघर बंद हुए थे। महाराष्ट्र सरकार से उनकी तीन मांगे थी। पहली, कैमरे और साउंड रिकॉर्डिंग मशीन को छोड़कर सभी वस्तुओं से नए बिक्री कर समाप्त करना, दूसरी, बांग्लादेश युद्ध के दौरान शुरू किए गए सिनेमाघरों के टिकटों पर विशेष अधिभार को समाप्त करना और तीसरी, मनोरंजन कर में कटौती। उस समय फिल्म इंडस्ट्री ने एक दिन का राष्ट्रव्यापी बंद भी आयोजित किया था। इस बंद के कारण डेढ़ लाख लोग बेरोजगार हो गए थे।

यह विश्व में फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लंबे समय तक चली हड़ताल थी। उस समय इंडस्ट्री में 700 फिल्में सालाना बनाती थी। जबकि हॉलीवुड में तीन सौ।

ट्रेड एनालिस्ट विनोद मीरानी के मुताबिक उस समय थिएटर मालिकों की हालात खराब थी ऊपर से सरकार ने चार प्रतिशत अतिरिक्त कर लगा दिया था। यह टैक्स फिल्म को शूट करने से लेकर शूटिंग में काम आने वाले उपकरणों, डिस्ट्रीब्यूशन तक पर था। इस तरह से हर चरण में चार प्रतिशत होते-होते यह टैक्स कई गुना बढ़ जाता था। उसकी वजह से सिनेमा मालिकों ने हड़ताल की थी, जो 32 दिन चली थी।

वर्ष 1975 में इमरजेंसी के समय भी इंडस्ट्री बंद नहीं हुई थी। लेकिन इस समय थिएटरों को कोरोना की वजह से बंद किया गया है। इसमें इंडस्ट्री का कोई हाथ नहीं है। यह लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसके अलावा वर्ष 2009 में मल्टीप्लेक्स मालिकों और निर्माताओं के बीच कमाई के हिस्से को लेकर विवाद हुआ था। जिसकी वजह से निर्माता हड़ताल पर चले गए थे। तब दो महीने तक कोई नई फिल्म रिलीज नहीं हुई थी।

दहशत न फैलाएं : करीना कपूर खान

सोशल मीडिया पर सितारे भी लोगों से संयम बरतने का आग्रह कर रहे हैं। करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'हमें सूचनाओं को फिल्टर करने के बाद सही स्रोत का पता लगाने की जरूरत है। दहशत में न आएं। उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि दहशत का कारण आप न बनें। आपकी गतिविधियां आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करती हैं। पूरी दुनिया में प्रयास किए जा रहे हैं। हम सब को भी अपने हिस्से का काम करना होगा। भले ही वह काम छोटा सा क्यों न हो। सुरक्षित रहें।' वहीं प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'यह नमस्ते के बारे में है। दुनियाभर में चल रहे बदलाव के दौर में लोगों के अभिवादन का एक प्राचीन, साथ ही बिल्कुल नया तरीका। कृपया आप सभी सुरक्षित रहें।'

करीना कपूर खान फाइल

इतने कार्यक्रम रद हुए
- तीन अप्रैल से 12 अप्रैल तक सलमान खान का अमेरिका और कनाडा दौरा टला
- रितिक रोशन का 10 अप्रैल से शुरू होने वाला अमेरिका का टूर भी रद
- कोरोना का प्रकोप खत्म होने तक कोई भी कार्यक्रम नहीं करेंगे गायक केके
- सरोद वादक अमजद अली खान का पांच अप्रैल को होने वाला शिकागो समारोह टला

कोरोना वायरस अभी भारत में महामारी नहीं : आइसीएमआर

नीलू रंजन, नई दिल्ली

कोरोना के कारण भले ही पूरे देश में शिक्षण संस्थानों, सिनेमाघरों को बंद और सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित किया जा रहा हो, लेकिन इससे निपटने में जुटे वैज्ञानिकों की मानें तो भारत में अभी महामारी जैसे हालात नहीं हैं। विदेश से आने वालों की अनिवार्य जांच और अलग-थलग रखने से लेकर तमाम प्रतिबंधों को जरूरी बताते हुए चिकित्सा अनुसंधान से जुड़ी देश की शीर्ष वैज्ञानिक संस्था आइसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा है कि इस वायरस से बच्चे से लेकर युवा तक कोई भी ग्रसित हो सकता है और उनसे दूसरे में फैल भी सकता है, लेकिन बुजुर्ग या पहले से बीमार व्यक्ति के ग्रसित होने की स्थिति में यह घातक साबित हो सकता है।

कोरोना को लेकर ज्यों-ज्यों एहतियाती कदम सख्त किए जा रहे हैं, वैसे-वैसे थोड़ा भय का माहौल भी बनता जा रहा है। मुंबई के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों के शहर से बाहर नहीं जाने और मुंबई से बाहर के किसी व्यक्ति को घर नहीं आने देने की हिदायत जारी कर दी है। ऐसा होने की स्थिति में स्कूल ने बच्चे को 14 दिन अलग-थलग रखने का निर्देश दिया है। दैनिक जागरण के एक सवाल के जवाब में बलराम भार्गव ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को 14 दिन तक अलग-थलग रखना तभी जरूरी है जब वह किसी कोरोना वायरस से ग्रसित इलाके से आया हो या फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आया हो। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में देश के भीतर आने-जाने वालों को अलग-थलग रखने की जरूरत नहीं है। एक सवाल के जवाब में डॉ. भार्गव ने कहा कि यह वायरस युवा और बुजुर्ग किसी में भी जा सकता है और उनसे संपर्क में आने वालों में फैल सकता है।

देश में यह महामारी का रूप नहीं ले पाया है इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत में अभी तक कोरोना वायरस के कम्युनिटी ट्रांसफर का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन कोरोना से पीड़ित लोगों के संपर्क में आने के दो मामलों में कुछ लोगों को इससे ग्रसित पाया गया है। यह किसी वायरस के फैलने का दूसरा चरण है। डॉ. भार्गव के अनुसार भारत में उठाए जा रहे सभी कदम कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसफर के स्टेज तीन तक पहुंचने से रोकने के हैं। एक बार कम्युनिटी ट्रांसफर की स्थिति में पहुंचने के बाद वायरस महामारी का रूप धारण कर लेता है। जैसा कि चीन, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, ईरान और इटली के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों में देखा जा रहा है।

जनमत
मुद्दा

क्या कोरोना का टीका अगर मौजूद होता तो इस बीमारी के प्रति हम सब इतने भयाक्रांत होते?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं।

वैक्सीन बनाने में लगेगा एक साल : डॉ. भार्गव ने कहा कि कोरोना की वैक्सीन आने में कम-से-कम एक साल का समय लग सकता है। ऐसे में इस वायरस को जितना फैलने से रोका जाए उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा चुके हैं। देश में 67 लेबोरेटरी में हर दिन कोरोना के छह हजार से अधिक मामलों की जांच की क्षमता स्थापित की गई है, लेकिन अभी केवल 60-70 मामलों की ही जांच हो रही है। इसके अलावा देश के मेडिकल कॉलेजों, बायोटेक्नोलॉजी विभाग और राज्यों के अंतर्गत आने वाले हजारों लेबोरेटरी को जांच के लिए तत्काल तैयार किया जा सकता है। पुणे स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की निदेशक डॉ. प्रिया अब्राहम ने कहा कि दो कंपनियों ने अपनी किट को सत्यापित कराने के लिए भेजा है। कोरोना वायरस की सटीक पहचान कर पाने की इसकी क्षमता की जांच की जा रही है।

वायरस की कुंडली बनाने वाला भारत पांचवां देश : भारत अभी तक न सिर्फ कोरोना वायरस के महामारी का रूप धारण करने से रोकने में सफल रहा है, बल्कि इस वायरस की कुंडली तैयार करने वाला पांचवां देश भी बन गया है। भारत के अलावा अमेरिका, चीन, जापान और थाइलैंड ने इसकी कुंडली बनाई है। वायरस की कुंडली बनाने के साथ ही भारत इसके लिए वैक्सीन बनाने की स्थिति में भी पहुंच गया है। लेकिन वैक्सीन के लिए पहले जानवरों पर तीन-चार महीने और फिर छह से आठ महीने का क्लीनिकल ट्रायल अनिवार्य प्रक्रिया है। जाहिर है वैक्सीन बनने में कम-से-कम एक साल का समय लग सकता है। भार्गव ने कहा कि वैक्सीन बनाने के लिए आइसीएमआर के पास पर्याप्त धन है। इसके साथ ही नीपा वायरस के लिए वैक्सीन विकसित करने का अनुभव भी है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार ने आइसीएमआर को 20 करोड़ रुपये और दिए हैं।

आइटीबीपी के कैंप में मिला घर जैसा माहौल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

छावला स्थित आइटीबीपी (भारत तिब्बत सीमा पुलिस) के कैंप में बने क्वारेंटाइन सेंटर में रखे 112 व्यक्तियों में से अधिकांश को शुक्रवार को घर रवाना कर दिया गया। शेष लोग अपनी सुविधा से शनिवार को रवाना होंगे। सभी को गुलाब का फूल और सर्टिफिकेट दिया गया। इन लोगों को 27 फरवरी को चीन से लाया गया था। इससे पूर्व भी 406 लोगों को यहां 14 दिनों तक रखने के बाद रिपोर्ट नेगेटिव आने पर घर रवाना किया गया था।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आइटीबीपी के जवानों के हौसले को सराहना की। कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से लड़ने व लोगों को क्वारेंटाइन सेंटर में पारिवारिक माहौल देने के लिए प्रत्येक भारतीय उनका आभार प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि अभी क्वारेंटाइन सेंटर में मौजूद 112 लोगों में 36 विदेशी नागरिक हैं, जिनमें चीन से छह, बांग्लादेश से 23, म्यांमार से दो, मालदीव से दो, संयुक्त राज्य अमेरिका से एक, दक्षिण अफ्रीका से एक व मेडागास्कर द्वीप से एक नागरिक शामिल हैं। चिकित्सकों ने बताया कि यहां से जाने वाले लोगों के घर पर जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करती रहेगी। लखनऊ निवासी अभिषेक ने बताया कि चीन में कोरोना मामलों में बढ़ोतरी के बाद रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो गई थी। यहां आइटीबीपी के कैंप में कभी महसूस नहीं हुआ कि हमें क्वारेंटाइन किया गया है। जवानों के व्यवहार इतना अच्छा था कि कभी अकेलापन नहीं लगा। बेटी के मन से वायरस का डर भी निकल गया है। उन्होंने बताया कि चीन में उनके आसपास 24 लोग इस वायरस से संक्रमित थे। शुरुआत में डिपार्टमेंटल स्टोर सप्ताह में एक-दो बार खुलते थे। लोग वहां से जरूरत की चीजें खरीद लेते थे, लेकिन बाद में सब बंद कर दिया गया। आलम यह था कि एक व्यक्ति के एक समय के भोजन को पूरा परिवार दिनभर में खाता था। अभिषेक ने बताया कि वे 38 दिनों तक घर में बंद रहे थे। खिड़की से देखते थे तो सड़क पर सन्नाटा पसरा रहता था। सड़कों पर सिर्फ मरीजों को ले जाती एंबुलेंस दौड़ती दिखती थीं। आठ साल की बेटी तान्या पूछती रहती थी कि हम घर में बंद क्यों है। वह तरह-तरह की चीजें खाने की मांग करती थी। मजबूरन तरह-तरह की कहानियों से उसका मन बहलाना पड़ता था।

चीन के वुहान शहर से एयरलिफ्ट करके पिछले महीने दिल्ली के छावला स्थित आइटीबीपी के निगरानी केंद्र में रखे गए लोगों में कोरोना वायरस का संक्रमण नही पाए जाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। प्रेट्र

उधर, गुरुग्राम के मानेसर स्थित सेना के आइसोलेशन सेंटर में इटली से लाए गए सभी 83 लोगों के शुक्रवार को सैंपल लिए गए हैं। सिविल सर्जन डॉ. जसवंत सिंह पूनिया ने बताया कि सभी मरीज स्वस्थ हैं लेकिन एहतियातन सैंपल लेकर जांच की जा रही है।

भारतीयों को लाने आज इटली जाएगा विमान

नई दिल्ली, एजेंसियां : चीन के बाहर कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित यूरोपीय देश इटली में फंसे भारतीयों को लाने के लिए एयर इंडिया का विमान शनिवार को दोपहर बाद रवाना होगा। वहीं, भारतीयों में कोरोना वायरस की जांच करने के लिए डॉक्टरों का एक दल शुक्रवार को रोम पहुंच गया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव रूबीना अली ने कहा, 'इटली में फंसे भारतीयों को लाने के लिए एयर इंडिया एक विमान मिलान भेजेगा। विमान कल दोपहर बाद उड़ान भरेगा और रविवार सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करेगा।' वहीं, विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव दम्मू रवि ने कहा कि इटली के मिलान और उसके आस-पास के क्षेत्रों में लगभग 220 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। सरकार की प्राथमिकता उन्हें वापस लाने की है। अगर और कोई भी छात्र वहां रह गए हों तो वो दूतावास से संपर्क कर सकते हैं, जिसके बाद देखा जाएगा कि उनके लिए क्या किया जा सकता है। वहीं, इटली की राजधानी रोम में भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर बताया कि भारतीय मेडिकल टीम यहां पहुंच गई है।